मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी

MAULANA AZAD NATIONAL URDU UNIVERSITY

(A Central University established by an Act of Parliament in 1998)

Gachibowli, Hyderabad- 500032

बी.ए. (दूरस्थ) 2018-2019

निर्देश : दत्तकार्य(Assignment) मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी के बी.ए. पाठ्यक्रम का आवश्यक अंग है। दत्तकार्य के लिए 30 अंक निर्धारित हैं। हर प्रश्न-पत्र के तीन दत्तकार्य हैं। आपको हर प्रश्न-पत्र के दत्तकार्यों के उत्तर लिखते हुए निर्धारित तिथियों तक जमाने करने होगें। (सुविधा के लिए दत्तकार्य के तीस-तीस अंक निर्धारित किए गए हैं। उनका औसत आपकी वार्षिक परीक्षा के अंकों में सम्मिलित किया जाएगा।) दत्तकार्य में उत्तीर्ण होने के लिए कुल 30 अंक में से बारह (12) अंक प्राप्त करने होगें। बी.ए. दूरस्थ के वर्ष की समाप्ति पर वार्षिक परीक्षा होगी और हर प्रश्न-पत्र 70 अंक होगें। हर प्रश्न-पत्र में सफलता के लिए 28 अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। दत्तकार्य लिखने से सम्बन्धित आवश्यक निर्देश निम्नलिखित हैं।

विद्यार्थी के लिए आवश्यक है कि दत्तकार्य लिखने के लिए जिन किताबों से विषयवस्तु ली गई है उनके स्रोत(source) अर्थात् संदर्भ(हवाला) ज़रूर दें और हर दत्तकार्य के उत्तर अलग-अलग उचित सफेद और फुलस्केप कागज़ पर अपने हाथ से लिखें। उत्तर की प्रश्न-संख्या ज़रूर लिखें और हर पन्ने पर दोनों तरफ कम से कम 4से.मी. हाशिया छोड़ें। दत्तकार्य के कागज़ात ध्यानपूर्वक अपने संबंधित स्टडी सेन्टर के समन्वयक(coordinator) के नाम से डाक द्वारा भेजें या व्यक्तिगत रूप से सौंपे। समन्वयक(coordinator) से रसीद भी प्राप्त करें।

अगर आप दत्तकार्य लिखित रूप में जमा नहीं कर सके या कम से कम बारह अंक प्राप्त नहीं कर पाए तो आपको अगले बैच(Batch) के दत्तकार्य का इंतज़ार करना होगा और उसके लिए दूर शिक्षा निदेशालय मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी की वेबसाइट देख सकते हैं। एक बार दत्तकार्य में सफल हो जाने के बाद अंकों में वृद्धि के लिए दूसरी बार दत्तकार्य(Assignment) जमा नहीं किया जा सकता।

नोट- विद्यार्थी दत्तकार्य के कागज़ात के पहले पन्ने पर निम्नलिखित जानकारी उपलब्ध कराएँ और जाँचकर्ता की राय के लिए जगह खाली रखें।

नाम ---------- स्टडी सेंटर----------

पता----------अनुक्रमांक----------

पाठ्यक्रम:बी.ए. ----------दिनांक ----------हस्ताक्षर----------

जाँचकर्ता की राय----------

दत्तकार्य(Assignment) जमा करने की अंतिम तिथि:

1) प्रथम दत्तकार्य: अंतिम सप्ताह, मार्च 2019
2) द्वितीय दत्तकार्य: तीसरा सप्ताह, अप्रैल 2019
3) तृतीय दत्तकार्य: दूसरा सप्ताह, मई 2019

निर्धारित तिथि के बाद दत्तकार्यों(Assignments) को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी
दूर शिक्षा निदेशालय
बी.ए/बी.एस.सी/बी.कॉम- प्रथम वर्ष 2018-19
हिन्दी साहित्य का इतिहास: प्राचीन एवम् मध्यकालीन काव्य

सेट-1

निर्देश: इस दत्तकार्य में कुल तीन खण्ड हैं- खण्ड अ, ब तथा स। खण्ड अ के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। खण्ड ब से केवल दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। खण्ड स से केवल एक प्रश्न का उत्तर लिखना है।

खण्ड अ

I. बहुविकल्पीय प्रश्न **5×2=10**

i. 'हिन्दी के मुसलमान कवि' किसकी रचना है?

क) अबुलफज़ल ख) मौलवी करीमुद्दीन

ग) मिश्रबंधु घ) गंगाप्रसाद सिंह

ii. 'सूर साहित्य' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

क) सूरदास ख) नामवर सिंह

ग) बच्चन सिंह घ) हजारी प्रसाद द्विवेदी

iii. इनमें से स्वछन्दमार्गी कवियों का संबंध किससे है?

क) रीतिबद्ध ख) रीतिसिद्ध ग) रीतिमुक्त घ) कोई नहीं

iv. 'शिवराजभूषण' किसकी रचना है?

क) भूषण ख) भिखारीदास ग) केशवदास घ) पद्माकर

v. सूरदास का जन्म कहाँ हुआ था?

क) पारसौली ख) सीही ग) गऊघाट घ) अयोध्या

खण्ड ब

II. अति लघुत्तरीय प्रश्न **2×5=10**

2. घनानन्द की भाषा पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
3. सूरदास के गुरु कौन थे? सूरदास की भक्ति-भावना पर संक्षेप में प्रकाश डालिए?
4. आलम का कवि परिचय दीजिए।
5. बिहारी सतसई पर अपने विचार लिखिए।

खण्ड स

III. दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न **1×10=10**

6. आदिकाल की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
7. भक्तिकालीन सामाजिक स्थिति की झाँकी प्रस्तुत कीजिए।
8. रहीम के कृतित्व की चर्चा कीजिए।

सेट-2

निर्देश: इस दत्तकार्य में कुल तीन खण्ड हैं- खण्ड अ, ब तथा स। खण्ड अ के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। खण्ड ब से केवल दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। खण्ड स से केवल एक प्रश्न का उत्तर लिखना है।

खण्ड अ

I. बहुविकल्पीय प्रश्न **5×2=10**

i. नाथों की संख्या कितनी है?

क) 7 ख) 8 ग) 9 घ) 6

ii. इनमें से कौन रीतिमुक्त कवि हैं?

क) केशवदास ख) बोधा ग) बिहारी घ) भिखारीदास

iii. कबीर के गुरु कौन थे?

क) गोरखनाथ ख) रामानन्द ग) विट्ठलनाथ घ) रामानुज

iv. जैनों में तीर्थंकरों की संख्या कितनी मानी गई है?

क) 12 ख) 24 ग) 28 घ) 84

v. रीतिकालीन काव्यधारा को कितने वर्गों में बाँटा गया है?

क) 3 ख) 4 ग) 1 घ) 2

खण्ड ब

II. अति लघुत्तरीय प्रश्न **2×5=10**

2. रामकाव्य लेखन की परम्परा पर संक्षेप में लिखिए।
3. बारहमासा के वर्णन में नागमति की दशा का संक्षेप में चित्रण कीजिए।
4. 'रासो' शब्द पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
5. जैन साहित्य की भाषा पर अपना मत दीजिए।

खण्ड स

III. दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न **1×10=10**

6. 'कबीर वाणी के डिक्टेटर थे' सिद्ध कीजिए।
7. जायसी द्वारा रचित ग्रंथों के नाम बताते हुए पद्मावत पर चर्चा कीजिए।
8. बिहारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

सेट-3

निर्देश: इस दत्तकार्य में कुल तीन खण्ड हैं- खण्ड अ, ब तथा स। खण्ड अ के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। खण्ड ब से केवल दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। खण्ड स से केवल एक प्रश्न का उत्तर लिखना है।

खण्ड अ

I. बहुविकल्पीय प्रश्न **5×2=10**

i. किस कवि का असली नाम 'सयैद इब्राहिम' था?

क) आलम ख) रसखान ग) घनानन्द घ) रहीम

ii. जायसी का विरह-वर्णन किस प्रकार का है?

क) पूर्वानुराग ख) प्रवासगमनग) करुण घ) मान

iii. 'रामचरितमानस' किसकी रचना है?

क) तुलसीदास ख) रैदास ग) जायसी घ) कबीरदास

iv. सिद्धों की संख्या मानी जाती है-

क) 12 ख) 24 ग) 9 घ) 84

v. 'नाथ संप्रदाय' शीर्षक पुस्तक के लेखक हैं-

क) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ख) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

ग) गोरखनाथ घ) पीताम्बरदत्त बड़थवाल

खण्ड ब

II. अति-लघुत्तरीय प्रश्न **2×5=10**

2. 'सिद्ध' किसे कहते हैं? प्रमुख सिद्धों का नाम लेते हुए स्पष्ट कीजिए।
3. 'प्रेम की पीर' के कवि कौन हैं? स्पष्ट कीजिए।
4. 'भ्रमरगीत' से क्या तात्पर्य है?
5. रसखान की भक्ति पर प्रकाश डालिए।

खण्ड स

III. दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न **1×10=10**

6. घनानन्द के प्रेम संबंधी दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिए।
7. भक्ति की परिभाषा देते हुए तुलसीदास की नवधा-भक्ति की चर्चा कीजिए।
8. पृथ्वीराज रासो की अप्रामाणिकता तथा प्रामाणिकता पर अपना मत प्रकट कीजिए।